आरएनआई पंजीयन RAJHIN/2016/72902
डाक पंजीयन RJ/ UD/ 29-150/ 2020-2022

भारत सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

शब्द रंजन

संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. महेन्द्र भानावत

विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक

वर्ष 6 | अंक 21 | उदयपुर सोमवार 15 नवम्बर 2021 | पेज 20 | मूल्य 5 रू.

दीपावली पर अयोध्या में भाग्यवान श्री राम का आगमन

- डॉ. महेन्द्र भानावत -

राजस्थान की भजन मंडलियों में अनेक बार अनेक रातिजगों तथा धार्मिक मेलों, उत्सवों में मैंने यह भजन सुनकर अत्यंत उल्लसित एवं आनंदमय होते श्रोता समुदाय को देखा है–

आज रो दन है आनंद
अयोध्या में राम पधार्‌या
राम पधार्‌या ने लछमण आविया
सीता सती ने बधाया
अयोध्या में राम पधार्‌या.......

भजनिकों में ही नहीं, रासधारी ख्याल तो पूरा ही राम–लछमण–सीता के वनवासी जीवन से लेकर अंत में अयोध्या लौटने तक की कथा लिये है। एक आरती में राम की वंदना कर दर्शकों के बीच थाल घुमाया जाता है। सभी उसकी बाती का स्पर्श पाकर अपना जीवन धन्य मानते हैं। आरती के बोल हैं–

जगमग–जगमग जोत जगी है
रामजी की आरती होन लगी है
केसर धूप कपूर की बतियां
अगर चंदन अरु घी की रतियां
सीता लखन हड़ुमत मतियां
ऋद्धि सिद्धि गणदेव लगी है जगमग......

ऐसे ही धन्य इस दिन नव परिणिता के घर पीहर वाले अपने जामाता को विवाह के पश्चात आने वाली पहली दीवाली को आमंत्रित कर होते हैं।

त्यौहारों में दीवाली सर्व मंगल–प्रकाश का त्यौहार है। इस दिन जिस तरह की चहलपहल एवं खुशहाली रहती है उस तरह की अन्य त्यौहारों पर देखने को कम मिलती है।

यह शुभ त्यौहार माना गया है इसलिए प्राय: प्रत्येक शुभ कार्यों का प्रारम्भ इसी से होता है। नये वर्ष का प्रारम्भ, वणज–व्यापार का शुभारम्भ, दरवाजों पर लाभ–शुभ लेखन, नई बहियों में नये खाते खोलना, आंगन की सफाई–लींपापूती, सगाई–सम्बन्ध–सगपण तय होना तथा नव गृह प्रवेश के लिए भी यही दिन शुभातिशुभ होता है।

शादी के बाद आने वाली प्रथम दीवाली पर ही लड़की के पीहर वाले जंवाई को निमंत्रित कर आणा–मुकलावा कराते हैं। प्राय: धनतेरस को सभी नवोढ़े जंवाई अपने ससुराल पहुंच जाते हैं। सात–आठ दिन से लेकर महीने भर तक जंवाई वहां रहते हैं। ससुराल जाते वक्त वे अपने साथ एक कोथली में ढाई सेर पतासिये, ढाई सेर लड्डू, पांच नारियल तथा चार रूपये रोकड़ ले जाता है। साथ में सेवादार के रूप में नाई तथा सेवक रहता है।

ससुराल पहुंचने पर जंवाई को पहले भोजन में शकुन की गुड़ की लपसी, चना–मूंग की दाल, तलमा पूड़ियें तथा दही परोसा जाता है। इस समय के गीतों में सासू द्वारा जंवाई को अत्यन्त लाड़प्यार से भोजन परोसने की मनुहार भी छलकती है।

यथा– गायों–भैंसों के दूध से घी बनाऊंगी। बागड़िये नारियल की चटकें डालकर सोरमी लपसी बनाऊंगी। उजले भात तथा हरे मूंग की दाल और आंसठ–वांसठ सागें बनाकर उसमें चौंसठ प्रकार के वगार दूंगी और पकवानों से भरा थाल परुसूंगी। भोजनोपरान्त उनके चरु करने पर लोंग, सुपारी, डोडे, इलायची आदि से उनकी मनुहार करूंगी।

भोजन करते समय बात–ही–बात में सुसराजी ने फुलछड़ी छोड़ते हुए कहा, अभी इतना जल्दी आणा थोड़े ही भेजेंगे। आणा ले जाना कोई अन्यामन्या का खेल नहीं है। यह सुन जंवाईजी झेंप गये कि सुसराजी केवल मजाक कर रहे हैं या गंभीर सोच लिए यह बात कर रहे हैं। उनसे चुप नहीं रहा गया। एक धीमी सी आवाज में वे बोल पड़े–

म्हार तो घर में अन्न धन लछमी /
वणा वना अवेरे म्हारे कुण / आणो मेल्यां
नहीं सरेजी

अर्थात् मेरे घर में अन्न धन लक्ष्मी का कोई पार नहीं है। उनके (नवोढ़ा परिणिता) बिना कौन उसकी सार संभाल करेगा? भारतीय संस्कृति के अनुसार न तो स्त्री अपने पति का नाम लेती है और न ही पति अपनी पत्नी का नाम लेता है। अब तो हर दृष्टि से पति–पत्नी इस ढंग–रंग से साथ रहते हैं कि यह पता ही नहीं चलता कि दोनों प्राणी पति–पत्नी हैं कि बहिन–भाई कि सखी–सखा कि प्रेमिका–प्रेमी या कि कोई और....।

मुकलावे की तैयारी बहुत पहले से ही आरम्भ कर दी जाती है। इसमें ब्याहिता को कांच, कांगसी, कैंची, डोरा, हींगलू, टीकियां, खुलेची, वान्दरवाल, विटावणा, बीजणा, तकिया, गोंद, काजल की डिबिया, थाली, बेलण, गेहूं की बाली का बना मूंदड़ा, लच्छा, मेंहदी, सूखी साग–सब्जी, ढाई सेर पापड़, ढाई सेर बड़ी, ढाई सेर मकई के पेंकिये, पांच, सात, दस बेसन के लड्डू, पच्चीस–पचास से लेकर सौ तक कांचली कापड़े, लड़की की सासू के लिए पूरी पोशाक, जंवाई के साथ देवर–जेठ–सुसराजी के लिए एक–एक या दो–दो सरपाव देने की परम्परा रही है। इनके अलावा हैसियत के अनुसार मनवांछित भेंट–भेंटावण दी जाती है।

ससुराल में जंवाई जितने दिन रहता है उनमें से एक दिन उसे उसकी सालियें, साले की बहुएं अथवा पास–पड़ौस की लड़कियां सजोड़े ताले में देती हैं। सुबह आकर सभी औरतें पारसी अर्थात् पहेली बुझावल करती हैं। इसमें गान द्वारा वे एक–एक पहेली बोलती हैं, उसका ताले में कैद जंवाई को उत्तर देना होता है। चंद पहेली की बानगी–

(1) नानी बंधण री चूंदड़ी बेचां हाटूं जी हाट चतर व्हे तो मोलले मूरख फर–फर जाय खोलो जमाईसा म्हारी पारसी (मेंहदी)

(2) राती डोरी रो डोलर गालियो हींचे दोई उमराव जां नीचे हींचे पदमणी यांरो अरथ बताव (कान का मोती)

(3) कालो री बल्द कलंगी वालो केसर लाद्यां जाय सगरी नदियां रो पाणी पीगयो तोई तरस्यां जाय (कलम)

(4) सुसरासा म्हारा पांच बरस रा / सासुजी अखंड कुंवारा रे मुझे सूता के बैठा जा जेठसा म्हारा अढ़ाई बरस रा / भाभीजी बालूड़ा री माता रे मुझे सूता के....

देवर म्हारा डोढ़ बरस रा /
देराणी ऐंस परणी नार ने मुझ....
बाईसा म्हारा सवा म्हीना रा /
पोतड़ा में सायब मांगे ए मुझ....
सायब म्हारा एक बरस रा /
मूं हलरावण वाली ए....
(जावणी, दही, लूणी, घी तथा
बिलोवणवाली)

- शेष पृष्ठ 11 पर

सबसे कम उम्र के 15 वर्षीय मरीज का हृदय प्रत्यारोपण

उदयपुर। अहमदाबाद के सिम्स मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में जूनागढ़ के एक 15 वर्षीय किशोर मरीज की हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हुई है। सिम्स मल्टीसुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में कार्डियोथोरेसिक और हृदय प्रत्यारोपण विभाग के निर्देशक डॉ. धीरेन शाह ने कहा कि हृदय प्रत्यारोपण प्राप्त करने वाला यह गुजरात का सबसे कम उम्र का मरीज है। सिम्स मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में संपन्न हुआ यह 18वां हृदय प्रत्यारोपण है। प्रतिरोपित हृदय सूरत निवासी 14 वर्षीय धार्मिक काकड़िया का था। डॉक्टर द्वारा धार्मिक को ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद उनके परिवार ने धार्मिक के हृदय और अन्य अंग दान कर दिए थे। हृदय प्राप्तकर्ता मोहित 11वीं कक्षा का छात्र है। वह दिल की मांसपेशियों की बीमारी डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी से पीड़ित था, जिसके कारण बीते दो वर्षों से हृदय के लिए शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त संचारण करना कठिन था। उन्होंने हृदय प्रत्यारोपण के लिए नौ महीने तक इंतजार किया और 30 अक्टूबर को सिम्स मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी करवाई।

एचडीएफसी बैंक द्वारा 5वां परिवर्तन स्मार्ट-अप ग्रांट लॉन्च

उदयपुर। एचडीएफसी बैंक ने अपने स्मार्टअप अनुदान के पांचवें संस्करण के लिए आवेदन शुरू किए। एचडीएफसी बैंक अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के लिए यह वार्षिक कार्यक्रम 'परिवर्तन' के अंतर्गत सामाजिक स्टार्ट-अप और इन्क्यूबेटरों को धन प्रदान करता है। इस साल बैंक ने स्मार्टअप अनुदान के लिए 15 करोड़ रुपये तक का आवंटन किया है। पर्यावरण, स्वास्थ्य देखभाल और लिंग विविधता के क्षेत्र में काम करने वाले 12-15 इन्क्यूबेटरों एवं लगभग 50 स्टार्ट-अप्स का चयन होगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि नवंबर, 2021 का तीसरा सप्ताह है और विजेताओं की घोषणा फरवरी, 2022 में की जाएगी। कृषि व्यवसाय, एड-टेक, अपशिष्ट प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों में अब तक बैंक ने 22 इनक्यूबेटर भागीदारों के माध्यम से 90 स्टार्ट-अप्स को 20 करोड़ रुपये वितरित किए हैं।

आशिमा भट, ग्रुप हेड सीएसआर, बिजनेस फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि स्मार्टअप अनुदान सामाजिक उद्यमियों के समर्थन और पोषण के लिए हैं।

मांडणों की महक

डॉ. कहानी भानावत

मांडणों का महत्त्व तो इसी से आंका जा सकता है कि अनेक लोकगीत, अनेक गाथाएं, अनेक कथाएं, अनेक आडियां, पारसियां, पहेलियां इनके नाना महत्त्व को उजास देती हैं। सुनार जैसे टांकी-छैनी से होले-होले जेवरों की बारीक-बारीक जड़ाई करता है वैसे ही मरवण अपनी अंगुलियों की पोरों से बारीक-बारीक मांडणों द्वारा अपनी चप्पा-चप्पा चमकाती है। आभूषण तो एक-से-अनेक हाथ होते निरखे-देखे जा सकते हैं पर मांडणें तो केवल एक ही स्थिर जगह निरखे जा सकते हैं। एक पहेली में कहा गया है-

टांकी दे सोनो घड़्यो, घड़्यो रे अजब सुनार।
निरख्यो पण देख्यो नहीं, रेग्यो आंगण मांय।।

विविध प्रांतों में मांडणों के विविध नाम हैं। विशिष्ट त्यौहार-उत्सवों पर ही नहीं, जब-जब भी आंगन की लींपाई-पुताई की जाती है उसे खाली नहीं छोड़ा जाकर मांडणों से मंडित किया जाता है। राजस्थान का यह मांडणा गुजरात में सातिया, महाराष्ट्र में रांगोली-रंगोली, बंगाल में अल्पना तो अल्मोड़ा-नैनीताल की ओर आपना, उत्तरप्रदेश में चौक पूरना-सोनरेखना, ब्रज-बुन्देलखण्ड में साझा, बिहार में बढ़पन और दक्षिण में यह कालम के नाम से जाना जाता है।

दीवाली के मांडणों में सौलह दीवा, जलेबी, गलीचा, वांदरवाळ, मुरकी, फीणी, दीये की जोड़, हीड़, सांठा, पावड़ी, चौपड़, पान, पशु खुर, चौक, सातिये, पगल्ये, कुवल्ये तथा ऐसे ही मनभावन मांडणें शोभित होते हैं।

आंगन के चारों ओर तरह-तरह की बेलें, फूल-पत्तियां, पंखुड़ियां, डमरू, पंखा, सकरपारा, कमल कोंकड़ी, लड्डू, सिंघाड़े आदि हैं। चौकों में कई तरह के चौक यथा- गलीचा चौक, बाजोटी चौक से लेकर एक फूली, चार फूली, छह, आठ, सौलह फूली चौक; ऐसे ही वाटकों, पंखुड़ियों, दीवों तथा सातियों के मांडणें हैं। गीत भी है-

लींप्यो छाप्यो आंगणों, मांडणिया रो चाव।
मरवण मांडे मांडणां, ढोला निरखण आव।।

कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि मांडणों का कोई आदि-अन्त नहीं है। मांडणें मांडने का कार्य मरवण अर्थात् गृहलक्ष्मी नारी-सन्नारी के जिम्मे रहा है। यों भी समग्र गृहकलाओं की जननी ही नारी कही गई है। उसे नर की खान भी कहा गया है। सो नर का कार्य उसकी कला को देखना, परखना, प्रक्षालना है। इसी में उसकी चतुराई और सुजाती है। उसके बनाये मांडणों से तो अगजग सारा ही सुखमय खुशमय जीवन लिये हर्षित हुआ मिलता है। एक गीत में ठीक ही कहा गया है-

लींप्यो चूंप्यो आंगणियो म्हारो, सैस मांडणा मांडूं हो।
तातो-तातो खीच बणाऊं, मोठ बाजरी खांडूं हो।
घर-घट्टी अर ऊंखल सारा, नाचण लाग्या हो।
बछड़ा कूदे, फूदे चिड़कल्यां, डांडा केलू हो।।

मांडणों का महत्त्व महिला की मांग-रेखा, भाग्य-रेखा-सा है कारण कि सारे मांडणें रेखाओं के ही कमाल धमाल हैं। आंगन उन्हीं रेखाजनित मांडणों से रेखागणितीय होता है। कोई मांडणा बिगड़ता नहीं। मांडते-मांडते बिगाड़ा नहीं जाता। उसे सूखने दिया जाकर और अधिक सवाया संवार दिया जाता है।

लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ द्वारा मिसेज इंडिया निधि पुनमिया का सम्मान

उदयपुर। मिसेज इंडिया 2021-22 निधि आनंद पुनमिया ने महाराज कुंवर लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ से उनके महल में भेंट की। इस दौरान महाराज कुंवर लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने निधि का सम्मान किया और मिसेज इंडिया 2021-22 बनकर उदयपुर एवं मेवाड़ का गौरव बढ़ाने पर बधाइयां दी।

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed-To-Be University)
जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड–टू–बी विश्वविद्यालय)

GRADE 'A' ACCREDITED BY NAAC

सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSION OPEN - 2021-22

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Ph. : 0294-2413029, 9829160606, 9413752492

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology. Geography. Economics. Political Science, Public Administration, Environmental Science, Jyotish, Music.
M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics. Political Science, Music. **Diploma Courses** : Diploma in Music (Surmalhar), Diploma in Panchgavya, P.G. Diploma in G.I.S. and Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication. **Certificate Courses** : Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Ph.D.

Faculty of Commerce : Ph. : 0294-2413029, 9460275655, 9460372183

B.Com., B.B.A., M.Com, (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, PG Diploma in Training and Development Certificate Courses: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP 9.0, Goods and Service Tax (GST), Ph.D.

Faculty of Science - Ph. 9461179656, 9461109371

B.Sc. (Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology)
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science. Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, M.Tech Biotechnology. Ph.D.

Faculty of Computer Science and Information Technology
Ph. 2494227, 2494217, 9414737125

B.C.A., M.C.A., M.Sc.(CS), B.Sc. in Data Science, M.Tech CS, P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in ComputerApplications), Ph.D.

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), **Diploma and Certificate Courses in Astrology** (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmispry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति), Ph.D.

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College
Mob. - 9414291078, 0294-2426432, 8209630249

B.A., B.A. Additional (All Subject), B.Com. M.Com (All Subjects), M.A. (All Subjects), M.A. (Education), M.Sc. (Psychology), B.Lib, M.Lib., B.Ed in Special Education (ID / HI), D.Ed Special Education (HI / VI / MR), PG Diploma in Guidance and Counseling, Diploma in Library Science, PG Diploma in Population Study, PG Diploma in Mental Health Counseling, PG Diploma in Lib. & Inf. Science (Medical / Engg. / Industrial), MBA (Executive)

Department of Physical And Yoga Education
M.V. Shramjeevi Collage Campus, Ph.: 9352500445

PhD. Yoga, M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, PhD. Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S), Diploma In Gym Instructor

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205, 9352500445

Master of Physical Education, (M.P.Ed.)

Department of Law - 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), Ph.D., PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL).

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College
Ph. : 0294-2490210, 9829009878, 9950304204

Diploma in Engineering - Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science, **B.Tech** - (Civil, Electrical & Electronics, Mechanical. Electronics & Communication, Computer Science)

Department of Physiotherapy - Ph. : 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Ph.D

Udaipur School of Social Work - Ph. 0294-2491809, 8118806319, 9829445889

Master of Social Work (MSW). PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR, Post Graduate Diploma in Rural Development (PGDRD), Master of Social Work (MSW - Self Finance Evening Batch), P.G. Diploma in Talent Management, Ph.D.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. Agriculture (Hons.), B.Sc. Horticulture(Agriculture), B.Tech. Food Technology (30 Seats), M.Sc. (Ag.) Agronomy, M.Sc. (Ag.) Horticulture, M.Sc. (Ag.) Extension Education

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok
Ph. : 0294-2655327, 9460856658, 9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy),
Special Classes for English Speaking and Computer Basics.

R.V. Homeopathic Medical College and Hospital, Dabok
Ph. : 0294-2655974, 2655975, 9414156701, 9351343740

Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery (BHMS),
MD (Hom.) Medicine / Pediatrics, B.A.M.S., Diploma in Homoeopathic Pharmacy (DHP), Ph.D.

Faculty of Management Studies (FMS)
Ph. : 0294-2490632, 9461260408, 9782049628, 9001556306

B.B.A, M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri-Business / Family Business Management), M.H.R.M, Ph.D.

Department of Travel, Tourism & Hospitality
Faculty of Management Studies - 9950489333

BBA (Tourism & Travel) Specialisation in Hospitality.
Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
Diploma in Hotel Management (Housekeeping)
Diploma in Hotel Management (Food Production).

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Pratapnagar, Udaipur, Mob. : 9928456341, 9413972286

B.A., B.Com, B.Sc. , M.A. (Geography), Regular Special Classes for Competition Classes

SHIVA © 9828244344

Note :

For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : www.jrnrvu.edu.in, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

ज्योति पर्व पर धुल जाये,
धरती का कोना-कोना।
निखर जाय फिर एकबार,
इसका वह रूप सलोना।।

दीपमालिके के शुभ मुहूर्त पर
हंसे दीप की लड़ियां।
बारबार आये जीवन में
ये मंगलमय घड़ियां।।

रश्मि पर्व पर मचल उठे,
लक्ष्मी का ऐसा टोना।
यत्र तत्र सर्वत्र धरा पर,
बरसे चांदी-सोना।।

यह आलोक पर्व हो निर्मल
निर्मल अन्तर मन हो।
अमृत दीप के मधु-प्रकाश में
आलोकित जीवन हो।।

मंगलमय जीवन हो
सत्य, शिव सुन्दर जीवन हो।
सफल मनोरथ, गति गतिमय हो।
उन्नत, अविचल, अटल अभय औ
पथ प्रशस्त हो- मंगलमय हो।

बालगीतों में हीड़-घड़ल्या

-डॉ. तुक्तक भानावत-

दीवाली के स्वागतार्थ एक पखवाड़ा पहले से ही दिवाली के आने की खबर अपनी-अपनी टोलियों में नन्हें-नन्हें हमझोलियों के घर-घर में गीत गा-गाकर सुनाते रहते हैं। लड़के अपने हाथों में माटी की बनी हीड़ लेकर घर-घर हीड़ हींचने जाते हैं। इस हीड़ में एक मिट्‌टी का दीप जलता रहता है। हीड़ गीत गाकर पैसे एकत्रित करते रहते हैं-

हीड़ हींचो! पया मेलो / तैल पूरो
गायां रे घूघरा भैस्यां रे रमझोरा!
आज दीवाली काले खेंकरो।

बालकों की तरह बालिकाओं में भी उतना ही उत्साह रहता है। वे भी समूह रूप में दीवाली के गीत गाती हुई घर-घर दीवाली का सन्देश सुनाती हैं। बालिकाओं द्वारा गाये जाने वाले गीतों को घड़ल्यो नाम से सम्बोधित करते हैं। यथा-

घड़ल्या रे घड़ल्या कठे चाल्यो
चाल्यो ए बाई पीली के खाने
खोदी खोदी नु गुणा में नाकी
लींपी चूपी ने चाकर चणायो

इस प्रकार किशोर-किशोरियों में दीवाली नई उमंग, नया जोश एवं नया जीवन लेकर आती है। उनके साथ नाचती गाती, हंसती खेलती एवं सोती - जागती है और कुछ समय तक रहकर पुन: गायब हो जाती है। बच्चे टकटकी लगाये देखते रह जाते हैं कि कब दीवाली आई और पुन: कैसे कब एवं किस रास्ते से नो दौ ग्यारह हो गई।

बैल-गाय पूजा

बैलों की पूजा के लिए कहते हैं कि एक समय कैलाश पर्वत पर शिव-पार्वती बैठे हुए थे कि पार्वती के मुंह पर पानी का छींटा लगा। पूछने पर शिवजी ने बताया कि समुद्र में राधो और माधो नाम के दो मच्छ जलक्रीड़ा कर रहे हैं। उन्हीं का यह छींटा आ लगा है। यह सुन पार्वती पूजा का थाल लेकर वहां पहुंच गई। देखा तो राधो माधो दोनों गुत्थमगुत्था हो रहे थे।

जब पार्वती उनकी पूजा करने लगी तो उन्होंने कहा- 'बाई हमारी पूजा मत करो। इस समुद्र की करो जिसके कारण हम मदमस्त हो रहे हैं।' पार्वती समुद्र के पास गई तो समुद्र बोला- 'हमारे जैसे तो कई समुद्र हैं। महान तो धरती है। तुम उसकी पूजा करो।' पार्वती धरती के पास पहुंची तो धरती बोली- 'पूजा तो शेषनाग की करो जिसने मुझे अपने सिर पर टिका रखा है।' शेषनाग के पास जब पार्वती पहुंची तो उसने कहा- 'जहां मेरी पूंछ मिल जाय अपनी पूजा कर लेना।' पार्वती ढूंढ़ती-ढूंढ़ती वहां पहुंची। देखा तो शिव बैठे मिले। शिवजी ने नंदी की तरफ इशारा कर उसे पूजने का आदेश दिया। नंदी बोला- 'मुझे अकेले को क्यों, गाय की भी तो पूजा करो।' कहते हैं, तबसे दीवाली के दूसरे दिन खेखरे पर बैल और गाय की पूजा आरम्भ हुई।

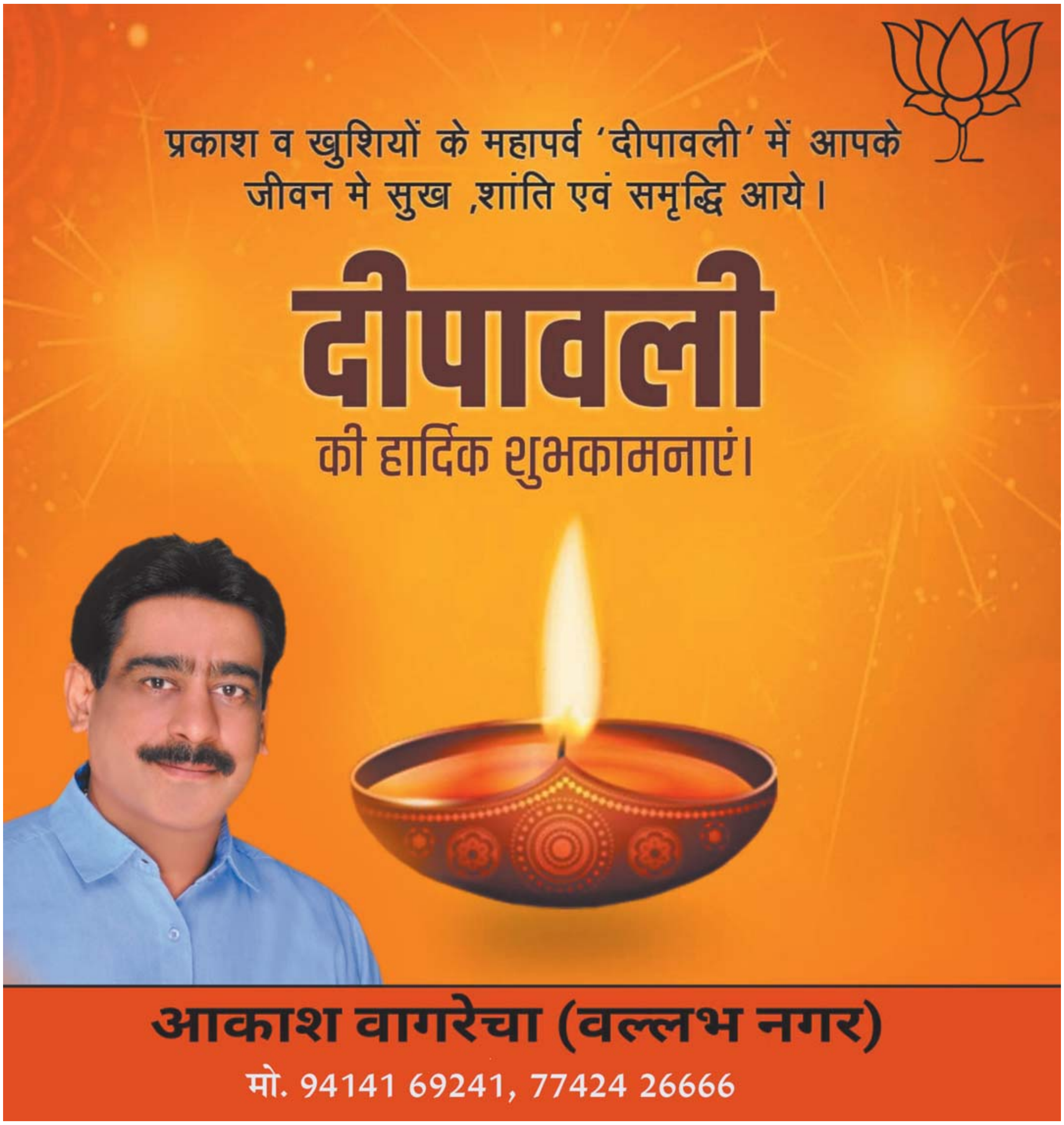

शब्द रंजन
उदयपुर, सोमवार 15 नवम्बर 2021

सम्पादकीय

इतिहास की धुंध

सभ्यताओं के इतिहास में आज हम सबसे अधिक सभ्य होने की तालबंदी करते हैं। पेट के लिए ही आदिमानव ने आखेट के लिए प्रस्तर फिर धातु की खोज से क्रमशः लोहे के तीर-कमान, भाले फिर तलवार, ढाल, गदा और फिर बारूद बन्दूक तोप और फिर अणुबम, हाइड्रोजन बम, रासायनिक शस्त्र, मिसाइल, राकेट की दुनिया में प्रवेश करते विनाशकारी सभ्यता तक पहुंचे। यह कौनसा इतिहास बनाया हिंसा-दर-हिंसा का! कौनसी सभ्यता खड़ी की ?

इतिहास को देखें तो वह पोथियों में प्राणायाम कर रहा है। अतीत गाथा का गौरव, गुणगान कर उसने कौनसी वैतरणी तैयार की? कौनसी कृतियां हिंसक नहीं रहीं? नीरो से लेकर नेपोलियन, हिटलर एवं हिरोशिमा, नाकासाकी होते आ जाइये जलियांवाला बाग तथा वागड़ स्थित मानगढ़ धाम होते आतंकवाद और नक्सलवाद तक। शान्तिदूत गांधीजी की हत्या की गई। स्त्रियों का जौहर, मारकाट, लूटपाट, धर्मस्थलों की तोड़फोड़ ; क्या यही इतिहास है जो हमें मोहित किये रहा पढ़ाया जाता रहा, स्मृतियों की बुलन्दगी का बिगुल बजाता रहा? इहिास क्या इन्हीं का दस्तावेज है?

प्रश्न तो है ही कि साहित्य, संस्कृति, कला, धर्म, महापुरुष, महात्मा, पशु-पक्षी, वनांचल, मरुस्थल, नदी, पहाड़, भूगोल भूगर्भ, भाषा, पुरातन, धरोहर इतिहास ही नहीं है? जो इतिहास सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक तथा साम्प्रदायिक उन्माद का उकेरण करे वह इतिहास है? पश्चिमी जातीय स्मृति, दृष्टि और प्रभाव से लिखे गये इतिहास को ही हमने तटस्थ पारदर्शी निरपेक्ष एवं सत्यपरक समझने की मरोड़ भरते कहीं का नहीं रखा। प्रश्न तो यह अधिक है कि भारत का प्राचीन मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास क्या खरा है? कितना भेलमेल वाला है? कितना खोटा है? इससे हमें कितना घाटा और टोटा उठाना पड़ा ?

गोरधन पूजा

इस दिन घर-घर गोरधनजी पूजे जाते हैं। गूजरों में तो गोरधनजी का बड़ा प्रचलन है। ये गोरधनजी इनके पूर्वज कहे जाते हैं। गूजर कहते भी हैं कि गोरधनजी रात को अपनी प्रोल के पास सड़क पर सोये हुए थे। साथ में उनका लड़का भी सोया हुआ था। उस रात भगवान शेर बनकर आये और बाड़े में कूदे जहां गायें बंधी हुई थी। शेर को देख गायें भड़की और बाहर बाड़े से कूद भागी। भागते-भागते उन्होंने गोरधनजी और उनके पुत्र को गचर दिया। इससे उनकी मृत्यु हो गई। यह देख गोरधनजी की पत्नी बड़ी क्रोधित हुई और श्राप देने लगी तब भगवान बोले- 'देवी, श्राप मत दे, प्रतिवर्ष तेरा पति और बालक पूजा जाएगा।' तबसे हर घर के बाहर गोबर के बने गोरधनजी जमीन पर बनाये जाते हैं। उनके साथ उनका लड़का भी बनाया जाकर औरतें गीत गाती हुई उनकी पूजा करती हैं। ये गोरधनजी घरों के बाहर सात दिन तक पड़े रहते हैं। इससे स्वाभाविक है कि इनमें कीड़े पड़ जाते हैं। ये कीड़े जमीन में छेद करते हैं। आदिवासी इन छिद्रों में मकई, गेहूं और खल आदि का एक-एक दाना डालकर शकुन लेते हैं। वे यह समझते हैं कि जितने छिद्र हैं उतनी ही धान की कोठियां उनके घरों में भरी रहेंगी। छिद्र करने वाले कीड़े सामान्य कीड़े नहीं होकर विशिष्ट भंवरे हैं। ये भंवरे देवताओं के प्रतीक हैं।

पितरों की विदाई

दीवाली की रात को जलाशयों में पूरा महीना काती नहाती औरतें दीपक छोड़कर अपना उद्यापन करती हैं। ये दीपक टाटी पर छोड़े जाते हैं जो छत्तीस होते हैं। ये छत्तीस दीपक सभी जाति-छत्तीसी कौम के प्रतीक हैं। एक भाव इनका यह भी है कि श्राद्ध पक्ष में जो तमाम पितर धरती पर आते हैं वे तृप्त होकर यहां आराम करने लग जाते हैं तब इस दिन उन्हें प्रकाश दिखाकर विदाई दी जाती है। ये दीपक उन्हें राह दिखाते हैं और यह संकेत देते हैं कि अब वे यहां नहीं रहें। अपने-अपने गंतव्य को लौट जाएं। यहां रहने पर उन्हें कोई धूप ध्यान नहीं करेगा और वे कष्ट ही अधिक पाएंगे।

PACIFIC UNIVERSITY
सिद्धिर्भवतु मे सर्वदा

100 Acre Lush Green Campus | 500+ Faculty | 10,000+ Students | 24 Years of Excellence

PACIFIC UNIVERSITY

PLACEMENT HIGHLIGHTS

2020-21	2019-20	2018-19	2017-18
1906+ OFFERS	2208+ OFFERS	2240+ OFFERS	2100+ OFFERS
COMPANIES : 68	COMPANIES : 73	COMPANIES : 78	COMPANIES : 76

Academic Collaboration (National & International)

Best Placements

Paid internship, Industry Interaction with Training

Quality Education

• NSE Certified Capital Market Professional and many more interdisciplinary Programs

Value Added Certificate Courses

Prestigious Awards Received for the Session 2020-21

Education Excellence Award 2021 by Zee Hindustan (Zee Media Group) at New Delhi

Education Excellence Award 2021 by Dainik Bhaskar Group at Jaipur

Introducing New Courses* with International Collaboration (2021-22)

- Certification course in Cruise Management in collaboration with Lyceum of the Philippines University, Laguna, Philippines.
- PG Diploma in Logistic & Supply Chain Management synchronized with Logistic Skill Council, Om Logistic Limited and ProfSkills4U LLP.
- BBA synchronized with CMA (Certified Management Accountant, USA).
- B.Com synchronized with ACCA (Association of Chartered Certified Accountants, UK).
- MBA synchronized with ACCA (Association of Chartered Certified Accountants, UK).
- B.Tech with Data Analytics & Artificial Intelligence recognized by IOA (Institute of Analytics, UK).
- BCA & MCA with PDNAIT (Professional Diploma in New Age IT) course recognized by IOA (Institute of Analytics, UK).

*100% Employable Courses

Admission Open 2021-22

ENGINEERING (AICTE Approved)
B.Tech. : Artificial Intelligence/ Data Science & Analytics /Civil / Mechanical / Electrical / CSE / Mining
B.Tech (Lateral Entry)
M.Tech.
Mob. : 766 501 7791

POLYTECHNIC DIPLOMA (AICTE Approved)
Diploma : Civil / Mechanical / Electrical / Mining /CSE
Diploma (Lateral Entry)
Mob. : 953 036 0191

HOTEL MANAGEMENT (AICTE Approved)
Trade Diploma in Hotel Management
Diploma in Hotel Management
B.Sc. Hotel Management
Bachelor of Hotel Management & Catering Tech. (BHMCT)
Master of Tourism and Hotel Management (MTHM)
Mob. : 967 297 8016

AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) Agriculture
M.Sc. Agriculture
Mob. : 992 922 2551

MANAGEMENT (AICTE Approved)
MBA (Dual Specialization) | MBA (Executive)
MBA (Hospital Administration)
MBA Business Analytics
Mob. : 967 297 8034

DENTAL (DCI Approved)
B.D.S. | M.D.S.
Diploma in Dental Mechanic | Diploma in Dental Hygienist
Mob. : 766 501 7760

COMPUTER APPLICATION
BCA | MCA | MCA Lateral Entry | PGDCA | M.Sc.IT
Mob. : 958 789 2884

BASIC SCIENCE
(Free Coaching for Competitive Exams)
B.Sc. (Both Maths & Bio Group)
M.Sc. (Physics/Chemistry/Computer Science/ Mathematical Sciences/Zoology
Mob. : 766 501 7783

EDUCATION & PHYSICAL EDUCATION (NCTE Approved)
D.El.Ed. | B.Ed | MA (Education)
B.A.B.Ed. | B.Sc.B.Ed.
B.P.Ed. | M.P.Ed.
Mob. : 967 297 8033

YOGA
Diploma | PG Diploma | M.Sc. in Yoga | M.A. in Yoga
Mob. : 766 501 7752

SOCIAL SCIENCES AND HUMANITIES
B.A. | B.A. (Hons.)
(Free Coaching for Competitive Exams) like : IAS,RAS, RPSE, SSC, BANK PO, CDS, PSI, CONSTABLE, PATWARI & CLERICAL EXAMS
M.A. | **M.S.W.**
Library Science
D.LIB | **B.LIB** | **M.LIB**
Mob. : 766 501 7753

LAW (BCI Approved)
LL.B. | B.A. LL.B.
LL.M. (1 Yr.) | LL.M. (2 Yr.)
Free R.J.S. coaching & other tutorial classes
Mob. : 946 011 7336

COMMERCE
BBA : Global Business Management
B.Com / BBA (Synchronized with competitive exams)
B.Com with ACCA (UK), B.B.A. with CMA (USA)
B.Com (Hons)
M.Com
Mob. : 988 726 2020

JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION
BA-JMC (BA Journalism and Mass Communication)
MC-JMC (MA Journalism and Mass Communication)
Diploma in Journalism and Mass Communication
Mob. : 988 726 2020

DAIRY TECHNOLOGY
B.Tech. Dairy Technology
Mob. : 967 297 8063

PHARMACY (PCI & AICTE Approved)
B.Pharma | D.Pharma | M.Pharma
Mob. : 766 501 7717

FIRE AND SAFETY MANAGEMENT
B.Sc. : Fire & Industrial Safety Management
B.A. in Disaster Management
Diploma : Fire & Safety Management / Industrial Safety & Disaster Management /Health Safety & Environment
PG Diploma : Industrial Safety Management / Fire & Safety Management / Health, Safety & Environment
Mob. : 967 297 0953

PACIFIC SCHOOL OF DESIGN
Under Graduate Course
B.Design : Fashion Design / Textile Design / Interior Design
B.Sc. Design : Fashion Design / Textile Design / Interior Design
Post Graduate Course
M. Design : Fashion Design / Textile Design / Interior Design
M.Sc. Design : Fashion Design / Textile Design / Interior Design
Diploma Advance : Fashion Design / Textile Design / Interior Design
PG Diploma : Fashion Design / Textile Design / Interior Design
Mob : 7665017785

RESEARCH & DOCTORATE
Ph.D. (In all the streams listed above)
Mob. : 967 297 8030

https://www.facebook.com/pacificuniversityofficial https://www.instagram.com/pacific_university/ https://www.youtube.com/user/PacificUdrUniversity

PACIFIC UNIVERSITY | Pacific Hills, Pratapnagar Extension, Airport Road, Debari, Udaipur - 313024 | Ph: 0294-266500, 9672927863, 7665017785, 7665017787 Email : info@pacific-university.ac.in

Scan for Registration : www.pacific-university.ac.in

HANSA MINING CO. PVT. LTD.
HANSA MINING CO. PVT. LTD.
Mines : MORVAD, RAJSAMAND (RAJASTHAN)
Regd. OFFICE : 364, S.M. LODHA COMPLEX,
NEAR COURT CHOURAHA, UDAIPUR - 313001
Phone No. - 0294-2411111, Mobile : 94141 50005

सांई तिरुपति विश्वविद्यालय उमरड़ा को मिली यू.जी.सी. की मान्यता

उदयपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नई दिल्ली द्वारा सांई तिरुपति विश्वविद्यालय उमरड़ा को मान्यता प्रदान की गई है। विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि गत 29 व 30 जनवरी 2021 को यू.जी.सी. द्वारा बाबा साहेब अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति डॉ. संजय सिंह की अध्यक्षता में गठित 6 विशेषज्ञ सदस्यों की टीम ने विश्वविद्यालय का दो दिवसीय निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण रिपोर्ट में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व इन्फ्रास्ट्क्चर फेसिलिटी, लाईब्रेरी, लेबोरेट्री, टीचिंग फेकल्टी व सपोर्टिंग स्टाफ सभी यू.जी.सी. के मानदण्डों पर उपयुक्त पाये गये। इसी निरीक्षण के आधार पर ही विश्वविद्यालय को यू.जी.सी. की मान्यता प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इन्द्रजीत सिंघवी ने बताया कि यू.जी.सी की इस मान्यता से विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित सभी उपाधियां यू.जी.सी. के अधिनियम 22 के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्य रहेगी।

एचडीएफसी बैंक किसानों तक पहुंचने के लिए ई-एनएएम के साथ एकीकृत

उदयपुर। एचडीएफसी बैंक ने भारत सरकार के नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (ई-एनएएम) के साथ एकीकरण की घोषणा की, ताकि विभिन्न ई-एनएएम लाभार्थियों को डिजिटल कलेक्शन और फंड्स का निपटान किया जा सके। प्रबंध निदेशक एसएफएसी नीलकमल दरबारी ने कहा कि इस गठजोड़ से देश भर के किसानों को लाभ होगा क्योंकि वे अपनी सुविधा के अनुसार व्यापारिक लेनदेन करने में सक्षम होंगे। कार्यकारी उपाध्यक्ष गवर्नमेंट एंड इंस्टीट्यूशनल बिजनेस एंड गिग बैंकिंग एचडीएफसी बैंक सुनाली रोहरा ने कहा कि ई-एनएएम प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाले किसानों को पंजीकृत होने के लिए केवल आवश्यक केवाईसी विवरण अपलोड करने की आवश्यकता है। उनके उत्पाद (लॉट आईडी) और गुणवत्ता परख प्रमाण पत्र का विवरण मंडी द्वारा ई-बोली प्रक्रिया से पहले अपलोड किया जाता है। एक बार बिक्री बिल को अंतिम रूप देने के बाद, वे

एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रदान की गई मजबूत प्रणाली का उपयोग करके आसानी से भुगतान प्राप्त कर सकते हैं।

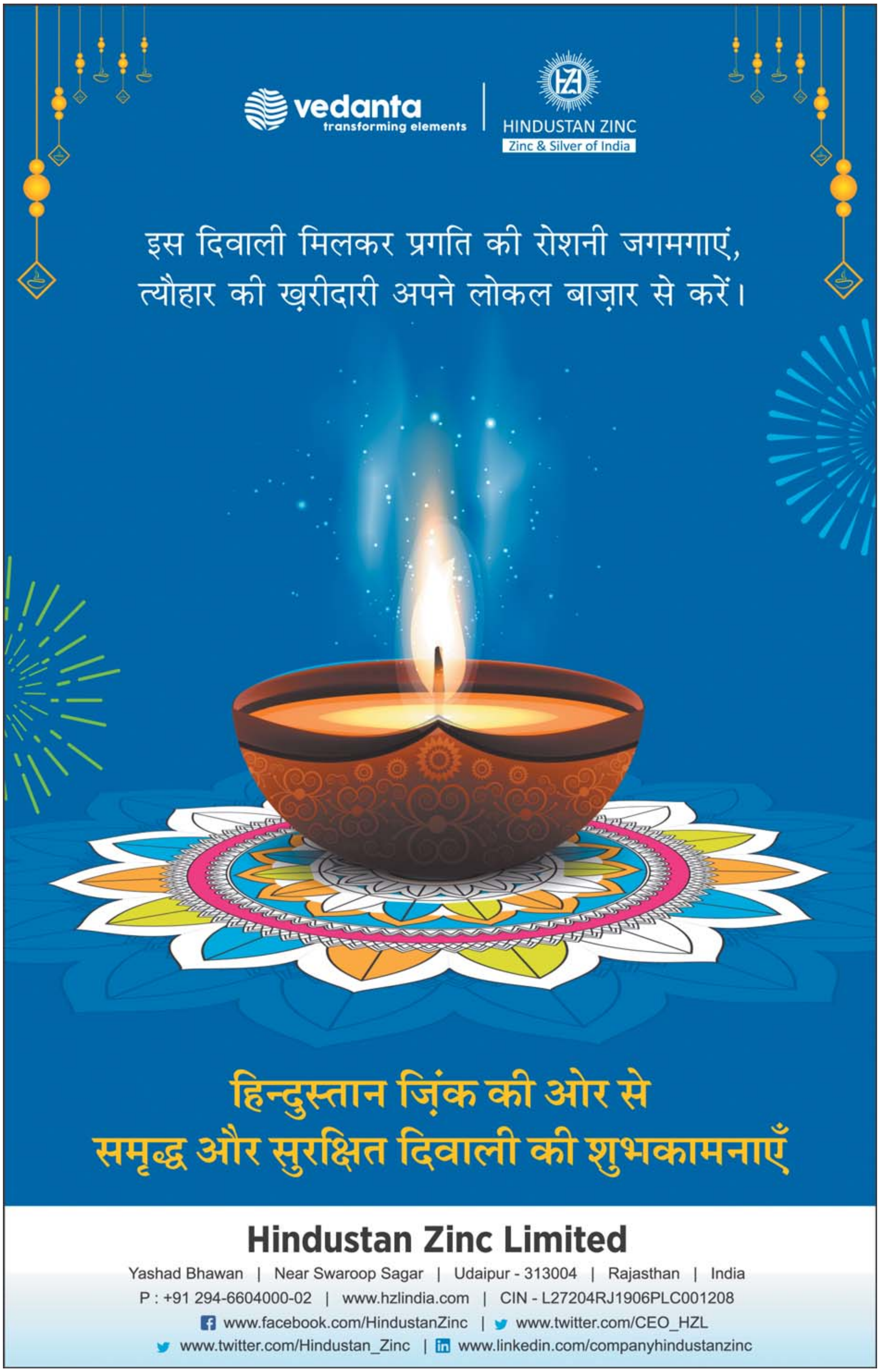

बच्चों को निःशुल्क टुथब्रशिंग किट वितरित

उदयपुर (वि.)। गीतांजली डेन्टल एवं रिसर्च इंस्टिट्यूट द्वारा राष्ट्रीय टुथ ब्रशिंग डे पर पुरोहितो की मादड़ी स्थित सेंट ज्योति बा फुले पब्लिक स्कूल में नि:शुल्क दंत रोग चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया। जिसमें 146 छात्र लाभान्वित हुए। गीतांजली डेन्टल एंव रिसर्च इंस्टिट्यूट के प्रधानाचार्य डॉ. निखिल वर्मा के निर्देशन में डॉ. मन्नावा पद्मकांत, डॉ. शारदा बिश्नोई, डॉ. रिंकी हंस एवं टीम द्वारा छात्र व छात्राओं को ब्रश करने के तरीके एवं दंत रोग के कारण और निवारण के बारे में बताया गया। इस अवसर पर बच्चों को नि:शुल्क टुथब्रशिंग किट का वितरण किया गया।

ग्लोबल वार्मिंग और साक्षरता का संदेश लेकर पहुंचे दो साइकलिस्ट

200 दिनों में 24000+ किमी साइकिल चला बनाएंगे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड

उदयपुर (वि.)। ग्लोबल वार्मिंग और साक्षरता जागरूकता का संदेश लेकर साइकिलिंग में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का मकसद लेकर आज उदयपुर पहुंचे दो साइकिलिस्ट का रोटरी क्लब उदयपुर मीरा की ओर से सुषमा कुमावत, विजय लक्ष्मी गलुंडिया, अर्चना व्यास, श्रद्धा गट्टानी, कविता श्रीवास्तव एवम पुनीत गलुंडिया द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। शिशु मंदिर के रोटारैक्ट क्लब के ये दो रोटारैक्टर धनुष और हेमंत बेंगलुरु से साइकिल पर सफर करते हुए उदयपुर पहुंचे हैं। दोनों साइक्लिस्ट 29 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में 200 दिनों में 24000+ किलोमीटर साइकिल चलाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास करेंगे। यह किसी एक देश में साइकिल से सबसे लंबी यात्रा होगी।

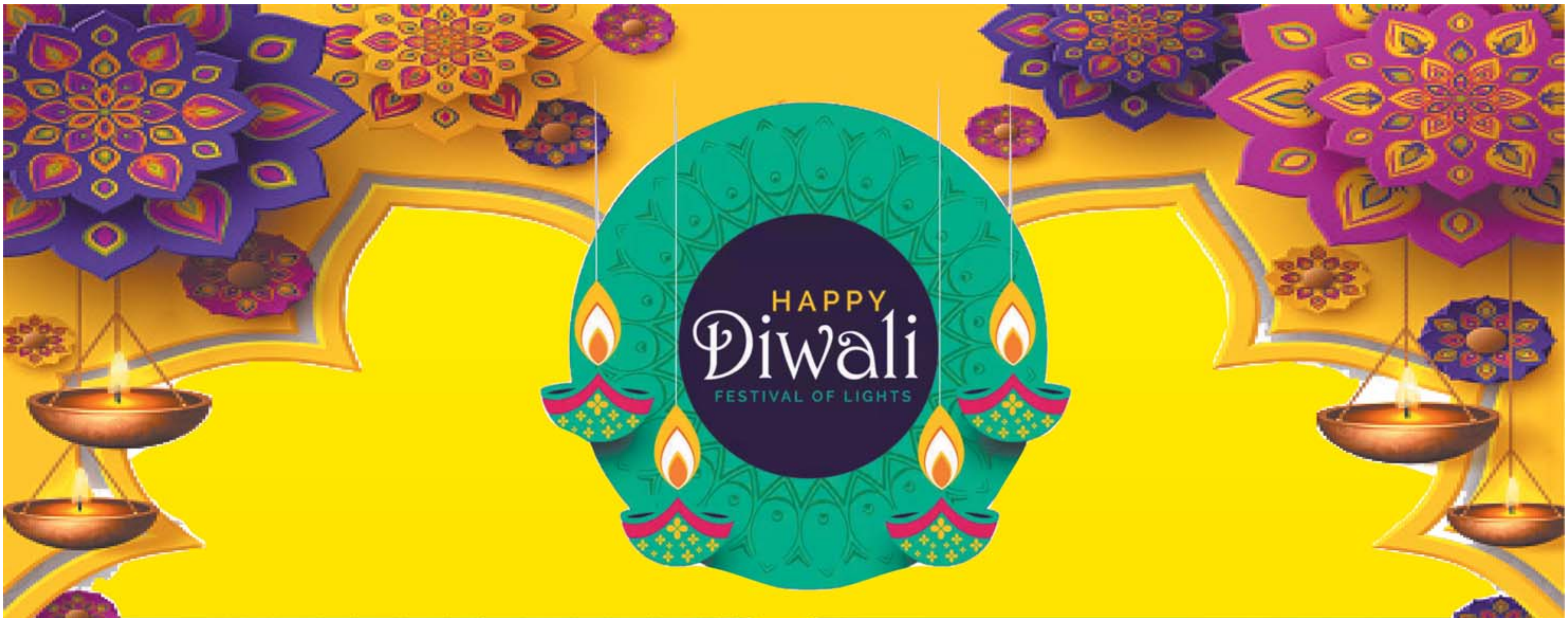

Sakshi Automobiles

Authorised Dealer, Hero Motocorp Ltd.

Showroom & Workshop
Trimurti Nagar, Indore Road, DHAR 454001 (M.P.)
Ph. (07292) 235955, 409011
hmcl.mp.dhar@sakshiautomobiles.com

Udaipur Filling Station

Auth. Dealer Bharat Petroleum Corporation Ltd.

Opp. Ashoka Cinema,
Surajpole, Udaipur
E-mail : ufscom@yahoo.com

Dilip Jain
98260-50888
7999723294

R.K. Jain
9829044369
0294-2410652
2422662

दीपावली पर अयोध्या.....

(पृष्ठ एक का शेष)

पारसियें समाप्त होने के बाद ताला खोला जाता है और जंवाई को केशरिया रंग छांटा जाता है। सभी औरतों को पतासियें बांटी जाती हैं। बाद में जंवाई की तरफ से ढाई सेर मिठाई मंगवाकर सभी घरों में लेणे के रूप में पहुंचा दी जाती है।

जंवाई को विदाई देने से पूर्व नाईन द्वारा नवोढ़ा को नहलाया और माथा (सिर) गूंथा जाता है। बालों को अच्छी तरह से संवारा जाता है। ललाट के बालों की मिंडियें ली जाकर गोंद की सहायता से चिपका दी जाती हैं।

फिर उन पर सोने की छूंत (पतरी) बांधी जाती है। पीछे चोटी में फूंदी और लालों की बनी आठी गूंथ दी जाती है। मेंहदी के विभिन्न मांडनों से उसके हाथ-पांव मंडवाये जाते हैं।

जंवाई की तरफ से लाये जाने वाले पांच नारियलों में से चार नारियल चारों हाथ-पांव मांडने वाली को दिये जाते हैं। बाकी बचा एक नारियल और रूपया विदाई पर कंकू का तिलक निकाल रंग छांट कर जंवाई को सीख के रूप में दिया जाता है। साथ में आने वाले नाई-सेवक को एक-एक नारियल तथा एक-एक रूपया अथवा झगापाग (सरपाव) दिया जाता है। औरतें मिलकर नाई ढोली सेवक तथा बांकिया वाले के साथ गाजेबाजे से जंवाईराज को विदा दी जाती है।

दीवाली के बाद फाल्गुन महीने में लड़की को ससुराल से पीहर लाई जाती है और श्रावण मास में सावणी तीज पर दूसरा आणा कराया जाता है। इसे गुणा आणा कहते हैं। इसमें जंवाई को जवारी के रूप में नारियल, झगापाग तथा लड़की को पांच सेर लड्डू तथा पच्चीस कांचली-कपड़े दिये जाते हैं।

राजस्थान में खासतौर से मेवाड़ की ओर दीवाली आणे के कईएक गीत प्रचलित हैं। दीवाली के पश्चात जिस दिन जंवाई को सीख दी जाती है उससे पूर्व रात्रि को सभी सगेसमधी पुरुष-महिला निमंत्रित किये जाते हैं। उनकी उपस्थिति में औरतें आणे के गीत गीती हैं। यथा-

पागां बंधाई घर मोकल्या ओ सारी रैण रम्या
ओजी पेचां जमाई री रीझ म्हाराज
पधारिया ओ सारी सैण रम्या
ओल्यूं करी पीला पड्या ओ
ओजी लोग जाण्या हलद्यो रोग
म्हाराजा पधारिया ओ सारी रैण रम्या

गीत में जंवाई के शृंगार के साथ ही पत्नी की ओल्यूं (याद) के कारण उनका शरीर पीला-सा दिखाई देने लग गया है जैसे उन्हें पीलिया अथवा हल्दिया रोग हो गया हो। इन गीतों में पर्याप्त हास्य-व्यंग्य के साथ महिलाओं द्वारा जंवाईराज के साथ मीठी चुहलबाजी, छेड़छाड़ तथा रंगमौजी भी रहती है। बात, बोली और घूंघट द्वारा जो बातें वे नहीं कह सकतीं वे गीतों के माध्यम से निस्संकोच कह बैठती हैं। इससे गाने और सुननेवाले दोनों रसभीने बने रहते हैं।

कुछ दिन व्यतीत हो जाने पर जंवाईसा ने विदा लेने की बात कही परन्तु ससुराल में तो उनका दिल इतना रमा कि उसे छोड़ने का उनका जी ही नहीं चाहता। गीत रूप में वह बात फूट पड़ती है-

कमर कसी जब त्यारी हुवा जी कांई
दोनी सुसरासा म्हाने सीख रा ढोलाजी
आछा अमलां रा गोरमाजी कांई
नहीं पूरे सुसरासा रो हेत रा ढोलाजी।।

मनुहार के कच्चे जंवाई सासु, सुसरा, साला, सालियां तथा अन्य हेलियों के मान-मनुहार से कुछ दिन रूक गये। औरतों ने भी अपनी ओर से उनके रूकने पर ठप्पा लगा कहा, हमारे प्यारे जमाईसा हम आपको हरगिज नहीं जाने देंगी। यदि आप जाने का हठ करेंगे तो आपको रोक लेंगी। आपका घोड़ा थाम लेंगी और दुपट्टा यहीं रख लेंगी। आप लाख कोशिश क्यों न करलें हम आपको हर्गिज नहीं जाने देंगी। गीत है-

जमायां ने पागां के पागां ऊपर पेचां के पेचां
ऊपर लड़ियां के लड़ियां ऊपर करिया
जमाईसा अपने चालबा न देसां....
चालबा नूं देसां के आड़ा फर रैंसा के
घुड़सा थाम लेसां के मारग रूंदी लेसां के
दुपट्टा खोली लेसां
जमाई सा आपने जावा न देसां....

आखिर जंवाईजी उकता ही गये। उन्हें घर जाने की बात के अलावा कोई बात नहीं सूझ रही। उन्होंने सुसराजी को तो कहा ही साथ ही साले-सालियों को भी बहुत बार-बार कहा। सुसराजी ने उनकी बात मानते अन्दर सूचना पहुंचा दी कि आज जंवाईसा. को सीख देनी है सो जल्दी तैयारी कर लेना।

औरतें तो इस आशा में थीं कि अभी जंवाईसा को और रोकेंगी। अच्छा खिलायेंगी, पिलायेंगी और उसके बाद उन्हें सीख देंगी पर जंवाईजी तो माने नहीं। उन्होंने तो जाने की हठ पकड़ ली। अन्दर से औरतों ने सुनाना प्रारंभ किया-

आज सोमवारो के महादेवजी रो वारो
जमाईसा आपने चालवा न देसां

अर्थात् आज सोमवार महादेवजी का वार है। इसी प्रकार मंगलवार हनुमानजी का वार, बुधवार गणपतजी का, वसपत वृहस्पतजी का, शुक्र सूखा-लूखा तथा शनि शनिश्चरजी का वार है, कहकर उन्हें शनिवार तक रोक देती हैं और रविवार का दिन प्रारंभ होते ही औरतों ने गाना प्रारंभ कर दिया-

आज रविवारो के जमायां रो वारो
जमाई सा आपने सीख परी देसां
सीख परी देसां के मारग छोड़ देसां /
के घुड़ला छोड़ देसां।
पागां तो देसां आपने रीझ में /
इता पेचां रा निरखणहार।
जमाईसा ओ चालो देशन पर /
बैसां रेल में।

गीत द्वारा वे सूचित करती हैं कि जंवाईसा आपको सीख देने की तैयारियां हो रही हैं। आपको निश्चय ही आज विदाई देंगे।

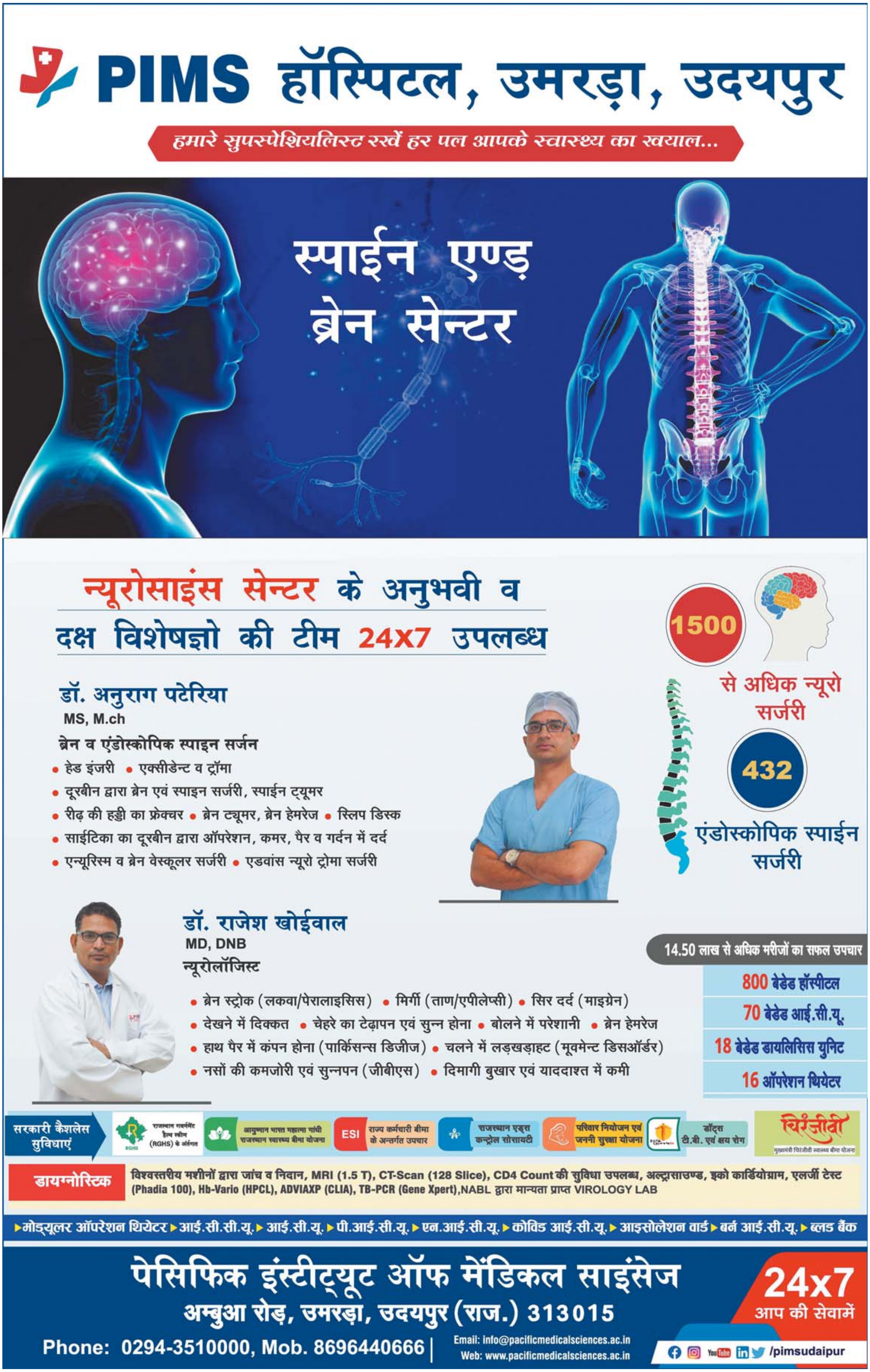

साइबर सुरक्षा पर जागरूक किया

उदयपुर (वि.)। इस आधुनिक डिजिटल युग में, किसी भी संस्थान और व्यक्ति के लिये साइबर सुरक्षा महत्वपूर्ण पहलू है। हिन्दुस्तान जिंक द्वारा 'डू योर पार्ट, बी साइबर स्मार्ट' पर साइबर सुरक्षा जागरूकता माह आयोजित किया गया। इस थीम ने उद्योगों, समुदाय के लोगों और कंपनी के कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार भूमिका के प्रति जागरूक किया।

जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरूण मिश्रा ने कहा कि हमने साइबर सुरक्षा क्षेत्र में विभिन्न पहल की हैं। हमारे लिए चुनौती बनने से पहले हम खतरों का बचाव, मुकाबला और उन्हें कम करने में अधिक सक्षम हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी और भूमिका निभाता है तो सुरक्षा पद्धति को लागू करना, सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना, इस बारे में लोगो को शिक्षित करना और कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना आसान हो जाता है। माह के दौरान जिंक ने साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों, साइबर खतरों से स्वयं को बचाने के लिए दैनिक साइबर टिप्स और ट्रिक्स, कर्मचारियों के बीच जागरूकता का मूल्यांकन करने के लिए साइबर सुरक्षा क्विज का आयोजन किया।

श्रीराम सुपर 252 और 272 से गेहूं उत्पादकता बढ़ी

बांसवाड़ा (वि.) राजस्थान के किसानों ने बताया कि डीसीएम श्रीराम लिमिटेड की युनिट श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स की ओर से पेश किए गए श्रीराम सुपर 252 और 272 गेहूं बीज से उनकी उत्पादकता बढ़ी है। श्रीराम फार्म सोल्यूशन्स ने किसानों की फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक एवं अनुसंधान - उन्मुख प्रोडक्ट्स विकसित किए हैं।

लॉन्च के बाद से ही श्रीराम सुपर 252 और 272 गेहूं बीज राजस्थान के किसानों में बेहद लोकप्रिय हो रहे हैं। 2016 में श्रीराम फ़र्टिलाइज़र्स एण्ड केमिकल्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा इन किस्मों को तैयार किया गया है। श्रीराम सुपर 252 और 272 गेंहू बीज इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं। श्रीराम सुपर 252 अगेती एवं पछेती बुवाई के लिए भी उपयुक्त हैं।

नये वर्ष की राग

नये वर्ष का शंख बजाओ।
देव गगन के
लक्ष्मी धरा की
स्वागत आये
स्वांग रचाओ।
नये वर्ष का राग लुटाओ।
आज दीवाली दीप जलादो
आज नया युग मानव आया
धरती से आकाश मिलादो।
आज नया संसार बसा है
दो राहों को एक मिलादो।।
आज दीवाली दीप जले हैं
मंदिर मस्जिद एक बनादो।
राम और रहमान सभी को
शंखनाद की तान सुनादो।।
आज दीवाली दीप जलादो।

रूप-शिखा

डॉ. महेन्द्र भानावत

रूप-शिखा पर आज रूपसी,
क्यों कर गिरे पतंग ;
सजाये अंग और प्रत्यंग।
दीप-शिखा अविराम चली थी;
फूल खिला था कली खिली थी;
सब रूठे प्रिय आज कहो क्या?
तब क्यों बजे मृदंग!
दीपक से भी सुखकर हैं अलि;
अंग-अंग की कली-कली;
सजे सजाये अंग ढंग से कैसे मिटे तरंग।
दीप बुझ गये रूप न बूझा;
रात चली दिन बाकी दूजा;
जलते रहो दीप मत बूझो,
रूप चलेगा संग!

HAPPY
Diwali
FESTIVAL OF LIGHT
JAIN
DECOR
Dealers
All Kinds of Marble, Italian & Indian
Granite, Kota, Cuddpha & Tiles
Exclusive Showroom
Vinod Jain
93230 80176
90047 17877
Tikuji-ni-wadi Road, Opp. Soham
Garden, Manpada Naka,
Thane, (West) - 400610
Tel. 2589 5535
Email : jaindecor201@gmail.com

जग जिसको ठुकराता है

जग जिसको ठुकराता है
मैं उससे नेह लगाता हूं
मैं उससे प्यार बढ़ाता हूं।
जिसने न कभी जाना बसंत क्या होता है
जिसके उर की अमराई में न कभी कोयल बोली।
जिसने न कभी पायी प्रियतमा की मनुहारें,
जिसके फागुण में गई नहीं खेली होली।।
जग उसको कुरूपा कहकर के ठुकराता है,
मैं उसकी निर्जीव पायल में गति लाता हूं।
मैं उससे प्रणय लगाता हूं।।

वो राही जिसने कभी नहीं पाई मंजिल,
वो पथ में भटका और भटक कर हार गया।
जिसके प्राणों का हराभरा संसार लूटा,
जिसके यौवन का ज्वार न जाने कहां छूटा।।
जग उसको पागल कहकर के ठुकराता है,
मैं उसकी पीड़ा उर की व्यथा हराता हूं।
मैं उसकी नाव तिराता हूं।।

- डॉ. डूंगरसिंह पोखरना

मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता

तुम जिओ हजारों साल, बने इतिहास हजारों पृष्ठों का। हर घर हजार हो उजियारा, मिट जाय अंधेरा भ्रष्टों का।।

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की एक सर्वे कंपनी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे-ग्लोबल लीडर एप्रूवल ट्रैकर को ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत के प्रधानमंत्री मोदी को 2 नवंबर के सर्वेक्षण में 70 प्रतिशत लोगों का समर्थन रहा जबकि 24 प्रतिशत ने उनको अस्वीकृत किया।

लोकप्रियता की इस सूची में मैक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रेस मानुएल लोपेज ओब्राडोर 66 प्रतिशत समर्थन के साथ दूसरे और इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्रागी 58 प्रतिशत समर्थन के साथ तीसरे स्थान पर रहे। लोकप्रियता की रैंकिंग में जर्मनी की चांसलर एजेंला मर्केल (54 प्रतिशत), आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मारिसन (47), अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन (44), कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो (43), जापान के प्रधानमंत्री फूमिया किशीदा (42) और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति मून जे-इन (41) प्रतिशत लोगों का समर्थन मिला है।

एचडीएफसी बैंक की नई शाखा का शुभारंभ

उदयपुर (वि.)। हिरण मगरी सेक्टर 14 में एचडीएफसी बैंक की 13वीं ब्रांच का मुख्य अतिथि आरएनटी मेडिकल कॉलजे के प्रिंसिपल डॉ. लाखन पोसवाल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया।

सर्किल हेड कुमार सौरभ ने बताया कि शहर में एचडीएफसी बैंक की 13वीं एवं जिले में 16वीं ब्रांच के रूप में इस शाखा का शुभारंभ हुआ है। आगामी समय में ग्राहकों की सुविधा को देखते हुए उदयपुर में और ब्रांच खोलना बैंक द्वारा प्रस्तावित है। हमारा मुख्य लक्ष्य ग्राहकों को बेहतर सेवा उपलब्ध करवाना है। बेहतर व्यवस्था के कारण ग्राहक की मांग को देखते हुए यह ब्रांच खोली गई। उन्होंने सभी बैंक कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि अच्छे कार्य के लिए और ग्राहक को अच्छी सुविधा देने के लिए एचडीएफसी बैंक हमेशा से ही अग्रणी रहा है। संचालन एचडीएफसी बैंक क्लस्टर हैड देवेंद्रसिंह ने किया। ब्रांच मैनेजर मयंक मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

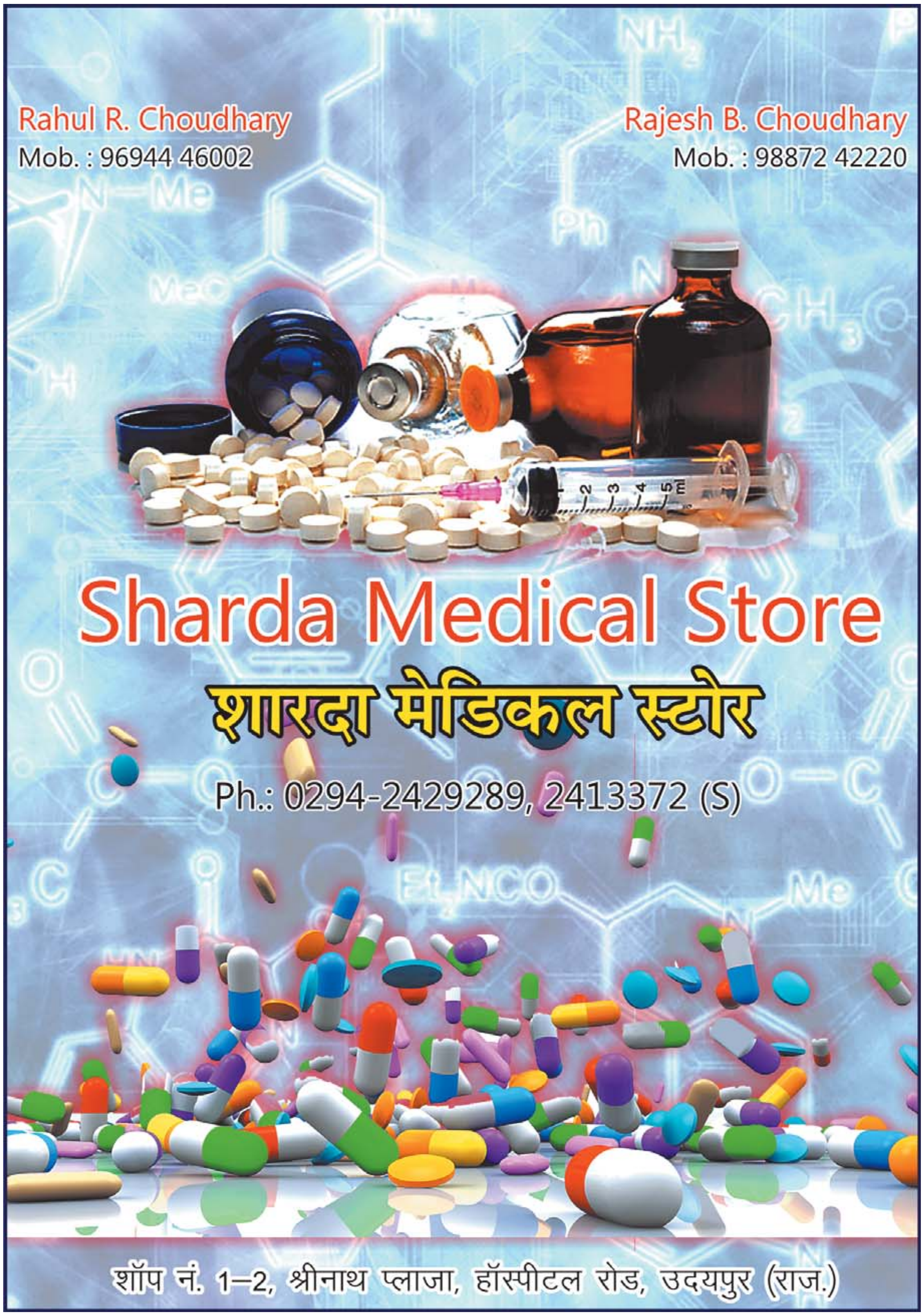

Aravali
GROUP OF NURSING COLLEGES
BETTER CAREER OPPORTUNITIES
ARE WAITING FOR YOU
Program Offered:
B.Sc. Nursing
G.N.M. Nursing
ADMISSIONS OPEN
2021-22
0294-2467963, 2463888
www.aravalinursing.org
ACN Hills, Opp. Railway Station, Nr.
Amba Mata Ji Mandir, Umrada, Udaipur (Raj.)

मोबाईल फोटो प्रतियोगिता में ताराचंद गवारिया ने जीता अवार्ड

उदयपुर (वि.)। उदयपुर के ख्यातनाम फोटो जर्नलिस्ट ताराचंद गवारिया को राष्ट्रीय स्तर की मोबाईल फोटो प्रतियोगिता में पचास हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। गवारिया को यह पुरस्कार इंडिया टीवी द्वारा आयोजित क्लिक मेनिया 2021 मोबाइल फोटोग्राफी प्रतियोगिता में मिला है। वर्ल्ड फोटोग्राफी डे पर शुरू हुई इस प्रतियोगिता में देशभर से हजारों फोटोग्राफर्स ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता के परिणाम हाल ही में घोषित हुए है। इसमें गवारिया को एक कैटेगरी में पहला पुरस्कार मिला।

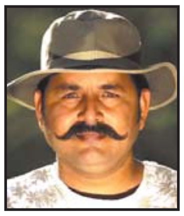

आयोजकों द्वारा वाइल्टलाइफ फोटोग्राफर आकाश दास, द प्रिंट के नेशनल फोटो एडिटर प्रवीण जैन और फिल्मी दुनिया के क्रिएटिव डायरेक्टर सौमित्रदास गुप्ता को बतौर निर्णायक चुना गया। प्रतियोगिता के लिए इनक्रेडिबल इंडिया, हैप्पीनस, खबर वाली फोटो, जस्ट लाइक डेट, नेचर और कैप्चर द मी की अलग-अलग कैटेगरी बनाई गई। इसमें ताराचंद को जस्ट लाइक देट कैटेगरी का विजेता घोषित किया गया। इसके तहत गवारिया को 50 हजार रूपए प्रदान किए जाएंगे।

बच्चों को मिठाई और पटाखे वितरित

उदयपुर (वि.)। पालन पोषण प्राणी सेवा संस्थान की ओर से दीपावली पर वंचित लोगों और निर्धन बच्चों को मिठाई के साथ पटाखे वितरित किये गये।

संस्थान के अध्यक्ष प्रकाश मेनारिया ने बताया कि शहर के विभिन्न इलाकों में संस्थान के प्रियंका, कैलाश मेनारिया, राहुल माहेश्वरी, मनीष डांगी, अनिल मेनारिया, योगी शंभूलाल मेनारिया ने मिठाई के साथ पटाखे वितरित किये और बच्चों को सुरक्षित दीपावली मनाने की सीख देते हुए शुभकामनाएं दीं।

सोजतिया ज्वेलर्स को मिला भारत का विश्वसनीय रिटेल ज्वेलर पुरस्कार

डायमंड ज्वेलरी के लिए IGI ने किया सोजतिया ज्वेलर्स को ऑथेन्टिसिटी अवार्ड से सम्मानित

हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी

रिजनेबल मेकिंग चार्जेज़

एंटीक, कुंदन, कलकत्ती ज्वेलरी की नयनाभिराम लेटेस्ट डिजाइनों का अनूठा संग्रह

शुद्ध चांदी के सिक्के, बर्तन, पॉयल एवं गिफ्ट आर्टिकल्स

जड़ाऊ पोलकी ज्वेलरी निर्माण में निपुणता

जड़ाऊ आड़, हथपान, बाजु, पोंची, कांकण पटिया, टीका, बोर, रखड़ी, भुजबंध, लड़ा, लंगर, सुत्तला, रवातुसी, चांदपटिया, चांदबाली खड़ा पटिया, सब्य सांची का नयनाभिराम कलेक्शन तथा इनके निर्माण मे महारत हासिल कुशल हस्तशिल्पियों द्वारा ग्राहकों के आर्डर को पूरी तन्मयता से पुरा करने की परम्परा...

सोजतिया ज्वेलर्स, कोर्ट सर्कल, उदयपुर 0294-2410331, 9214356031

L.I.G. (2 BHK)
E.W.S. (1 BHK)
CONSTRUCTION IN FULL SWING
Actual Site Photo
GST में छूट
रजिस्ट्री में छूट
टेक्स में फायदा
इन्टरेस्ट सब्सिडी का फायदा
साँवलियाँ धाम
आपके सपनो का अपना घर
अफोर्डेबल हाऊसिंग सोसायटी देबारी, उदयपुर (राज)
प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री जन आवास योजना
RERA NO.: RAJ/P/2018/848 I www.rerarajasthan.gov.in
APPROVED UIT & RERA APPROVED
दुकानें उपलब्ध
कुछ फ्लेट शेष
Subsidy 2,67,000/-
SAMPLE FLAT READY
₹ 12.15/- LAKHS 1 BHK Flat
₹ 19.44/- LAKHS 2 BHK Flat
साईट विजिट पर पायें निश्चित उपहार
फ्लेट बुकिंग पर पाये आकर्षक उपहार
Site Address : Sanwaliya Dham, Debari-Ahmedabad 6 Lane Highway, Debari, Udaipur - Raj. 313024
SANWALIYA BUILDCREATION LLP
Office Address : 5-A, 2nd Floor, Dainik Bhaskar Building, Opp. UIT Office, Saheli Marg, Udaipur - Raj. 313001
www.sanwaliyadham.com I E-mail : sanwaliyabuildcreation@gmail.com
Contact for Booking
7230064401, 7230064402, 7230064403, 7230064404

ये पद्मश्री के सच्चे हकदार

- डॉ. वेदप्रताप वैदिक -

इस बार 141 लोगों को पद्म पुरस्कार दिए गए। जिन्हें पद्मविभूषण, पद्मभूषण और पद्मश्री पुरस्कार मिलता है, उन्हें उनके मित्र और रिश्तेदार प्राय: बधाइयां भेजते हैं लेकिन मैं या तो चुप रहता हूं या अपने कुछ अभिन्न मित्रों को सहानुभूति का संदेश भिजवाता हूं। सहानुभूति इसलिए कि ऐसे पुरस्कार पाने के लिए कुछ लोगों को पता नहीं कितनी उठक-बैठक करनी पड़ती है। अप्रिय नेताओं और अफसरों के यहां दरबार लगाना होता है और कई बार तो रिश्वत भी देनी पड़ती है। हालांकि सभी पुरस्कृत लोग ऐसे नहीं होते।

लेकिन इस बार कई ऐसे लोगों को यह सम्मान मिला है, जो न तो अपनी सिफारिश खुद कर सकते हैं और न ही किसी से करवा सकते हैं। उन्हें तो अपने काम से काम होता है। इनमें से कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें न तो पढ़ना आता है और न ही लिखना। या तो उनके पास टेलीविजन सेट नहीं होता है और अगर होता भी है तो उन्हें राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं होती। वे खबरें तक नहीं देखते। उन्हें हमारे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री तक के नाम भी पता नहीं होते। उन्हें पता ही नहीं होता कि कोई सरकारी सम्मान भी होता है या नहीं?

उन्हें किसी पुरस्कार या तिरस्कार की परवाह नहीं होती। ऐसे ही लोग प्रेरणा-पुरुष होते हैं। इस बार भी ऐसे कई लोगों को पद्मश्री पुरस्कार के लिए चुने जाने पर मेरी हार्दिक बधाई और उस सरकारी पुरस्कार-समिति के लिए भी सराहना। कौन हैं, ऐसे लोग? ये हैं- हरेकाला हजब्बा, जो कि खुद अशिक्षित हैं और फुटपाथ पर बैठकर संतरे बेचते थे। उन्होंने अपने जीवन भर की कमाई लगाकर कर्नाटक के अपने गांव में पहली पाठशाला खोल दी। दूसरे हैं, अयोध्या के मोहम्मद शरीफ, जिन्होंने 25 हजार से अधिक लावारिश लाशों का अंतिम संस्कार किया। वर्ष 1992 में रेल्वे पटरी पर उनके बेटे के क्षत-विक्षत शव ने उन्हें इस पुण्य-कार्य के लिए प्रेरित किया। तीसरे, लद्दाख के चुल्टिम चोनजोर इतने दमदार आदमी है कि करगिल क्षेत्र के एक गांव तक उन्होंने 38 किमी सड़क अकेले दम बनाकर खड़ी कर दी।

चौथी, कर्नाटक की आदिवासी महिला तुलसी गौड़ा ने अकेले ही 30 हजार से ज्यादा वृक्ष रोप दिए। पांचवें, राजस्थान के हिम्मताराम भांभूजी भी इसी तरह के संकल्पशील पुरुष हैं। उन्होंने जोधपुर, बाड़मेड़, सीकर, जैसलमेर और नागौर आदि शहरों में हजारों पौधे लगाने का सफल अभियान चलाया है। छठी, महाराष्ट्र की आदिवासी महिला राहीबाई पोपरे भी देसी बीज खुद तैयार करती हैं, जिनकी फसल से उस इलाके के किसानों को बेहतर आमदनी हो रही है। उन्हें लोग 'बीजमाता' या सीड मदर कहते हैं।

यदि इन लोगों के साथ उज्जैन के अंबोदिया गांव में 'सेवाधाम' चला रहे सुधीर गोयल का नाम भी जुड़ जाता तो पद्म पुरस्कारों की प्रतिष्ठा में चार चांद लग जाते। इस सेवाधाम में साढ़े सात सौ अपंग, विकलांग, कोढ़ी, अंधे, बहरे, परित्यक्ता महिलाएं, पूर्व वेश्याएं, पूर्व-भिखारी आदि नि:शुल्क रहते हैं। इसे कोई सरकारी सहायता नहीं मिलती। ऐसे अनेक लोग भारत में अनाम सेवा कर रहे हैं। उन्हें खोज-खोजकर सम्मानित किया जाना चाहिए ताकि देश में नि:स्वार्थ सेवा की लहर फैल सके।

प्रिय पायल की रुनझुन रुनझुन

-डॉ. महेन्द्र भानावत

अध टूटे स्वर बिखरे-बिखरे,
उच्छ्वासों से निखरे-निखरे;
एक झलक मुखरित प्रस्फुटित,
हावभाव सी लुंठित कुंठित;
आहट सर पर सर-सर बाजे,
झांझरियों की घुंघरी गाजे;

मैं भूला भटका तुम अटके,
बीच डगर पावों को पटके;
रूद्ध गला गीतों की काया,
उठी धरा पर रूकती छाया;
उठे पांव तब गुनधुन-गुनधुन,
प्रिय पायल की रुनझुन रुनझुन;

आचार्यश्री महाश्रमण से उदयपुर में चातुर्मास करने विनती

उदयपुर (वि.)। तेरापंथ के 11वें आचार्यश्री महाश्रमण जी के दर्शनार्थ एवं उदयपुर में चातुर्मास की मांग को लेकर 700 यात्रियों का संघ 11 बसों एवं 35 निजी साधनों द्वारा भीलवाड़ा चातुर्मास स्थल पंहुचा और आचार्यश्री से उदयपुर में चातुर्मास करने की मंगल भावना व्यक्त की।

तेरापंथ समाज के अध्यक्ष अर्जुन खोखावत के नेतृत्व में समाज के सभी सदस्यों ने प्रात: 7 बजे उदयपुर मे बिराजित साध्वीश्री सुदर्शना श्रीजी से मंगलपाठ सुन भीलवाड़ा के लिए प्रस्थान किया। भीलवाड़ा पंहुच कर नियत समय पर प्रवचन पंडाल से रेली के रूप में गगन भेदी नारो 'गुरु देव उदयपुर पधारो' के साथ पहले साध्वीप्रमुखा श्री कनकप्रभाजी के दर्शन किए एवं आचार्यश्री के चातुर्मास की अर्ज में सिफारिश करने की विनती की। इसके बाद सभी संघ यात्री गुरुदर्शन के लिए महाश्रमण सभागार में एकत्रित हुए।

गुरु वंदना के बाद तेरापंथ सभा उदयपुर के अध्यक्ष अर्जुन खोखावत, तेयुप अध्यक्ष मनोज लोढ़ा, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती सीमा पोरवाल, टीपीएफ अध्यक्ष मुकेश बोहरा एवं अणुव्रत समिति अध्यक्ष आलोक पगारिया ने क्रमवार उदयपुर में गुरुदेव को चातुर्मास करने के लिए 10 महत्वपूर्ण बिंदुओं द्वारा अपनी विनती प्रस्तुत की।

इस अवसर पर आयोजित रैली का नेतृत्व उदयपुर सभा मंत्री विनोद कच्छारा ने किया। यात्रा मे मेवाड़ समन्वय समिति अध्यक्ष सूर्यप्रकाश मेहता की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष कमल नाहटा ने किया। इस संपूर्ण संघ यात्रा का संयोजन विनोद मांडोत ने किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में यातायात प्रभारी रमेश सिंघवी, ओम पोरवाल, महावीर राठौड़, श्रीमती दिपीका मारु, मिडिया संयोजक अभीषेक पोखरना, भोजन प्रबंधन विनोद चण्डालिया, राकेश नाहर, वित्त प्रबंधन भगवती सुराणा आदि का विशेष योगदान रहा।

संघ मे पुरुषों ने श्वेत परिधान एवं महिलाओं ने केसरिया परिधान मे रेली में भाग लेकर गगन चुंबी नारों के साथ महाश्रमण परिसर को गुंजायमान कर दिया।

पार्श्वकल्ला
PARSHVAKALLA

PARSHVAKALLA PUBLIC RELATIONS
PARSHVAKALLA PAPERS
PARSHVAKALLA ADVERTISERS
मुक्तक प्रकाशन सम्प्रति संस्थान
शब्द रंजन (विचार एवं जनसंवाद का पाक्षिक)
प्रतिष्ठान : 'पार्श्वकल्ला' 13 14, म्यूनिसिपल शॉप, चेतना होटल के पास, चेटक सर्कल, उदयपुर 313004 (राज.) फोन : + 91 294 2429291, मो. 94141-65391
निवास : 352, श्रीकृष्णापुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर 313001
फोन : +91 294 2412174, मो. 8003377333, E-mail : drtuktakbhanawat@gmail.com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक डॉ. तुक्तक भानावत द्वारा 352, कृष्णपुरा, सेंटपॉल स्कूल के पास, उदयपुर - 313001 (राज.) से प्रकाशित एवं मुद्रक लोकेश कुमार आचार्य द्वारा मैसर्स पुकार प्रिंटिंग प्रेस 311-ए, चित्रकूट नगर, भुवाणा, उदयपुर (राज.) से मुद्रित। सम्पादक : रंजना भानावत। फोन : 0294-2429291, मोबाइल - 9414165391, Email : shabdranjanudr@gmail.com, drtuktakbhanawat@gmail.com, सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

MEMBER J.K. ORGANISATION

India's # 1
Copier Paper

Premium quality multipurpose office paper

Smooth runnability in all digital copiers & printers

COPIER PAPER WITH TWIN WIRE TECHNOLOGY TWT

ColorLok® TECHNOLOGY FASTER DRYING BOLDER BLACKS VIVID COLORS

Delhi: 011-68201547 • **Kolkata:** 033-22486183 • **Mumbai:** 022-22810154 • **Chennai:** 044-25611847

marketing@jkmail.com • www.jkpaper.com /jkpaperindia • /jkpaperindia

JK PAPER

JK PAPER LTD.

Creating lasting impressions